vinetur

जर्मनी में तीसरी तिमाही में आयातित वाइन की बिक्री करीब 10% घटी

बाजार में मूल्य और बिक्री मात्रा दोनों घटीं, जबकि घरेलू वाइन कहीं अधिक टिकाऊ साबित हुई

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



2026 की तीसरी तिमाही में जर्मनी का वाइन बाजार सिकुड़ गया। कुल बिक्री मूल्य और मात्रा, दोनों में गिरावट आई और सबसे तेज़ नुकसान आयातित वाइन को उठाना पड़ा।

La Semana Vitivinícola ने गुरुवार, 12 नवंबर को बताया कि जर्मनी में बिकने वाली सभी वाइन से होने वाला राजस्व 2025 की तीसरी तिमाही के मुकाबले 4.8% घटा, जबकि बिक्री मात्रा में 6.3% की गिरावट आई। प्रकाशन के मुताबिक, ये आंकड़े देश में वाइन बिक्री पर नज़र रखने वाले नवीनतम बाजार विश्लेषण से मिले हैं।

आयातित वाइन में गिरावट कहीं अधिक तेज़ रही। रिपोर्ट के अनुसार, तिमाही के दौरान उनसे होने वाला राजस्व 9% घटा और बिक्री मात्रा में लगभग 10% की गिरावट आई। इसके मुकाबले जर्मन वाइन का प्रदर्शन बेहतर रहा। उनसे होने

वाला राजस्व स्थिर रहा, जबकि बिक्री मात्रा 1.7% घटी—विदेशी ब्रांडों में दर्ज गिरावट से काफी कम।

घरेलू और आयातित वाइन के प्रदर्शन के बीच का यह अंतर ऐसे बाजार में खास तौर पर ध्यान खींचता है, जो पूरे यूरोप में बिक्री करने वाली वाइनरी और पेय वितरकों के लिए अब भी अहम है। यह रुझान जारी रहा तो जर्मनी की मांग पर काफी निर्भर उत्पादकों पर कीमतों, प्रचार और दुकानों की शेल्फ पर जगह को लेकर दबाव बढ़ सकता है। वाइन कारोबार से जुड़े आयातकों और थोक विक्रेताओं पर भी असर पड़ सकता है, क्योंकि खुदरा विक्रेता धीमी बिक्री के अनुरूप अपनी खरीद में बदलाव करेंगे।

ये आंकड़े बताते हैं कि बाजार स्थिर होने के बजाय अब भी कमजोर पड़ रहा है। La Semana Vitivinícola ने 2026 की तीसरी तिमाही तक जर्मन वाइन बाजार में नकारात्मक रुझान जारी रहने की बात कही। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध अंश में कारणों का पूरा विश्लेषण नहीं था, फिर भी आंकड़े दिखाते हैं कि क्षेत्र के सभी हिस्सों पर दबाव समान रूप से नहीं पड़ रहा। जर्मनी में बनी वाइन के मुकाबले आयातित वाइन कहीं तेज़ी से बाजार हिस्सेदारी गंवा रही है।

यह अंतर व्यावसायिक रूप से मायने रखता है, क्योंकि विदेशी वाइनरी अक्सर निर्यात के लिए बड़े बाजार के तौर पर जर्मनी पर निर्भर करती हैं। आयातित वाइन की बिक्री में तेज़ गिरावट से वितरकों के साथ बातचीत कठिन हो सकती है, खुदरा विक्रेता प्रचार पर अधिक जोर दे सकते हैं और सीमित उपभोक्ता खर्च के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वाइन कारोबार में सक्रिय पेय कंपनियों के लिए जर्मन बाजार की कमजोरी इन्वेंटरी की योजना और कीमत तय करने के फैसलों के लिहाज़ से व्यापक चेतावनी बन सकती है।

घरेलू वाइन की तुलनात्मक मजबूती से तिमाही आंकड़ों में दिख रही कुल खपत की गिरावट की भरपाई नहीं होती। जर्मन वाइन से होने वाला राजस्व स्थिर रहने के साथ बिक्री मात्रा में 1.7% की कमी यह भी दर्शाती है कि जहां नुकसान सीमित रहा, वहां भी बाजार दबाव में है। हालांकि, आयातित वाइन के उत्पादकों को बोतलों की बिक्री और उनसे हुई कमाई, दोनों में कहीं बड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा।

तीसरी तिमाही के आंकड़े साल के अंत के बिक्री अभियानों और 2027 की आपूर्ति संबंधी चर्चाओं से पहले निर्यातकों की चिंताओं को और बढ़ाते हैं। जर्मनी में मांग कमजोर बनी रही तो विदेशी वाइनरी को ऐसे बाजार में अपनी जगह बनाए रखने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है, जहां हालात लगातार कठिन होते जा रहे हैं—खासकर आयातित ब्रांडों के लिए।